पत्र सूचना शाखा,
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

भारतीय संस्कृति और परम्परा में संस्कारों का महत्वपूर्ण स्थान है – राज्यपाल

लखनऊ : 16 दिसम्बर, 2019

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज सेवा भारती, अवध प्रान्त द्वारा किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ में आयोजित समारोह में अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि भारतीय संस्कृति और परम्परा में संस्कारों का महत्वपूर्ण स्थान है। एक अच्छे समाज के लिये हमें अपनी भावी पीढ़ी को भारतीय संस्कारों से भिज्ञ कराना होगा क्योंकि आज की युवा पीढ़ी का रूझान पाश्चात्य संस्कृति की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना का समावेश है।

राज्यपाल ने कहा कि देश के विकास के लिए नागरिकों का अनुशासित होना आवश्यक है। जब सभी नागरिक अपने कर्तव्यों का जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करेंगे तो समाज में सौहार्द एवं सहिष्णुता का निर्माण होगा। देश में प्रगति और सभी की समृद्धि के लिये प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' की भावना से कार्य किया जा रहा है, जिससे निश्चित रूप से देश आगे बढ़ेगा।

श्रीमती पटेल ने कहा कि सेवा भारती ने समाज सेवा के कार्यों द्वारा अपना एक विशिष्ट स्थान बनाया है। यह संस्था विद्यार्थियों के साथ–साथ प्रौढ़जनों के लिये भी शिक्षा एवं ज्ञान के अवसर उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा कि हमारे भविष्य का स्वरूप शिक्षा द्वारा ही निर्धारित होता है। शिक्षा ज्ञान प्राप्ति के साथ–साथ चरित्र निर्माण में भी सहायक होती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के द्वारा हमें ऐसे विचारशील नागरिक तैयार करने चाहिए जो राष्ट्र–निर्माण में अपना योगदान दें।

कार्यक्रम में राज्यपाल ने चिकित्सा सेवा क्षेत्र में विशिष्ट योगदान हेतु 21 चिकित्सकों को 'सेवा भूषण सम्मान' तथा 24 चिकित्सकों को 'सेवा गौरव सम्मान' से सम्मानित किया। इसके अलावा सामाजिक सेवा के क्षेत्र में योगदान देने वाले 21 महानुभावों को 'सामाजिक सेवा सम्मान' से सम्मानित किया। राज्यपाल ने कार्यक्रम में सेवा भारती की ओर से दिव्यांगजनों को भी उपहार देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में महापौर लखनऊ श्रीमती संयुक्ता भाटिया, सेवा भारती के क्षेत्र सेवा प्रमुख श्री नवल किशोर एवं नव वर्ष चेतना समिति के अध्यक्ष डॉ0 गिरीश गुप्ता ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर बलरामपुर चिकित्सालय के निदेशक डॉ0 राजीव लोचन, नववर्ष चेतना समिति की मुख्य संरक्षक श्रीमती रेखा त्रिपाठी के अलावा अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

———

ओ0पी0राय / राजभवन (96 / 11)

नर सेवा
॥ सेवा ही परमोधर्मः ॥
सेवा भारती, अवध प्रान्त
सम्राट विक्रमादित्य सेवा केन्द्र
आर.ए.एल.सी. के.जी.एम.यू., लखनऊ
द्वारा संचालित)

नर सेवा
॥ सेवा ही परमोधर्मः ॥
नारायण सेवा
सेवा भारती, अवध प्रान्त
सम्राट विक्रमादित्य सेवा केन्द्र
आर.ए.एल.सी. के.जी.एम.यू., लखनऊ
(नव वर्ष चेतना समिति द्वारा संचालित)
मा. आनंदीबेन पटेल राज्यपाल उ.प्र. के कर कमलों से
सेवा केन्द्र का शुभारम्भ एवं सेवा व्रतियों का सम्मान समारोह

॥ सेवा ही परमोधर्मः ॥
भारती, अवध प्रान्त
नारायण सेवा
सम्राट विक्रमादित्य सेवा केन्द्र
आर.ए.एल.सी. के.जी.एम.यू., लखनऊ
(नव वर्ष चेतना समिति द्वारा संचालित)